मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

CVG–002

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र

(सी. वी. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

सी.वी.जी.-002 : वैदिक अंकगणित

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 20 = 60$

(i) अंकगणित में प्रादुर्भाव का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ii) 45 × 99 को एकन्यूनेन पूर्वेण सूत्र से हल कीजिए।

(iii) 'एकाधिकेन पूर्वेण' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

(iv) 'निखिलं नवतः चरमं दशतः' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $4 \times 10 = 40$

(i) महावीर आचार्य का कृतित्व लिखिए।

(ii) ब्रह्मगुप्त आचार्य का गणित के क्षेत्र में क्या योगदान है?

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(iii) आर्यभट्ट आचार्य द्वारा रचित ग्रन्थ का परिचय दीजिए।

(iv) भारती कृष्णतीर्थ के वैदिक गणित का उल्लेख कीजिए।

(v) आचार्य श्रीपति के व्यक्तित्व एवं कृतियों का वर्णन कीजिए।

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com